



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 16 दिसम्बर, 1989/25 अग्रहीयण, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

भाषा एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 29 नवंबर, 1989

संख्या भाषा- के (3)-1/81-II.—हिमाचल प्रदेश के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश भाषीन और ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1976 (1976 का 32) की घारा-४ की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चमैशनी देवी मन्दिर, चम्बा (हिमाचल प्रदेश) का राज्य सरकारिसंस्मारक घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

उक्त प्रस्ताव की सभी हिंतबद्ध व्यक्तियों की जानकारी के लिए राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है और एदद्वारा सचनादी जाती है कि उक्त प्रस्ताव पर इसके राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन से दो मास की अवधि के अवसरे पर सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

यदि कोई हिंतबद्ध व्यक्ति उक्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में आक्षेप या सुझाव देना चाहता है तो वह इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन से दो मास की अवधि के भीतर वित्त आयुक्त एवं सचिव (भाषा), हिमाचल प्रवेश, शिमला को अपने आक्षेप या सुझाव भेज सकता है। उपरलिखित अर्द्धों के भीतर प्राप्त आक्षेपों या सुझावों पर, यदि कोई ही, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा इस प्रस्ताव को अनियम रूप देने से पूर्व विचार किया जाएगा।

प्रादेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वित्त आयुक्त एवं सचिव ।

कार्यालय जिला वण्डाधिकारी, सौलन, जिला सौलन ।

भ्रष्टसूचना

सौलन, 5 दिसम्बर, 1989 ।

क्रमांक 3-162/82-सी0एस)-II-92-6-65.—इस कार्यालय द्वारा जारी भ्रष्टसूचना संख्या 3-162/82-सी0एस0-7486-7558, दिनांक 6-10-1989 तथा संशोधन संख्या 3-162/82-सी0 एस-8156-8216, दिनांक 23-10-1989, जिसके द्वारा आवश्यक वस्तुओं की भ्रष्टिकरण परचून भाव निर्धारित किया गया, का प्रसंग जारी रखते हुए तथा हिमाचल प्रदेश जमाखोरी तथा मुनाफाखोरी निरोधक आदेश, 1977 की धारा 3 (1) (ई) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, पारथा सारथी मित्र, जिला वण्डाधिकारी, जिला सौलन आदेश जारी करता हु कि उपरोक्त भ्रष्टसूचनाओं द्वारा निर्धारित भाव हिमाचल प्रदेश राजपत्र में छपने के उपरांत श्रागामी दो मास तक आगू रहेंगे ।

पारथा सारथी मित्र,
जिला वण्डाधिकारी, सौलन ।